SSLC-HINDI-FIRST BELL 2.0-CLASS-03

Class link	https://youtu.be/J3PJdDp_6Kk

खेल घंटी	**Drill period,PET** പീരിയഡ്
झापड़ मारना	**To give a slap,** അടിക്കുക
पंजा फंसाना	കൈപ്പത്തികൊണ്ടു ചുറ്റി പിടിക്കുക**.**
मन खराब होना	**दुखी होना ,** മനസ്സ് വിഷമിക്കുക **To be sad**
शर्मिन्दा होना	ലജ്ജിക്കുക **, To be ashamed**
सफेद पट्टी	**Bandage**
चिढ़ाना	കോപിക്കാൻവേണ്ടി പരിഹസിക്കുക **, To tease**
छत	മേൽക്കൂര **, Roof**
ज़िद करना	വാശി പിടിക്കുക **, To insist**
नीम का पेड	വേപ്പുമരം **Margosa tree**
नज़र	**दृष्टि**
झूलना	**TO swing,** ആടുക

कॉपी में काम करते तो दोनों कॉपी में काम करते थे। किताब पढ़ते तो दोनों किताब पढ़ते। बल्कि पाठ भी एक ही पढ़ते। गणित के माटसाब सुरेंदर जी का पीरियड खेल घंटी के बाद आता था। बच्चे उनसे काँपते थे और खेल घंटी बंद होने से दो मिनट पहले ही अपनी अपनी जगहों पर आकर बैठ जाते थे।

1. गणित के मास्टर जी कौन थे ?

सुरेंदर जी माटसाब ।

2.सुरेंदर जी का पीरियड कब आता था

सुरेंदर जी का पीरियड खेल घंटी के बाद आता था।

3.बच्चे खेल घंटी बंद होने से दो मिनट पहले ही अपनी अपनी जगहों पर आकर बैठ जाते थे।क्यों?

क्योंकि बच्चे उनसे काँपते थे।

सुरेंदरजी माटसाब इसी पीरियड में कॉपी जाँचते थे। ज़रा-सी गलती पर बच्चों को इधर-उधर फेंक देते थे या झापड़ मारने लगते थे। उनका हाथ चलना शुरू होता तो रुकना भूल जाता था।

4.सुरेंदर जी कैसे व्यक्ति थे?

सुरेंदरजी माटसाब ज़रा-सी गलती पर बच्चों को इधर-उधर फेंक देते थे या झापड़ मारने लगते थे। उनका हाथ चलना शुरू होता तो रुकना भूल जाता था।

5.सुरेंदरजी माटसाब इसी पीरियड में क्या करते थे।

सुरेंदरजी माटसाब इसी पीरियड में कॉपी जाँचते थे।

6.सुरेंदरजी का स्वभाव कैसा था?

ज़रा-सी गलती पर बच्चों को इधर-उधर फेंक देते थे या झापड़ मारने लगते थे।

एक दिन सुरेंदर जी माटसाब ने बेला के बालों में पंजा फंसाया। पर शायद जिस गलती को पाकर वे उसके बाल पकड़कर फेंकनेवाले थे, वह गलती थी ही नहीं। उन्होंने बेला को छोड़ दिया।

बेला के भयभीत चेहरे को देखकर साहिल बुरी तरह डर गया था। उसने देखा कि बेला के पाँव अभी भी काँप रहे हैं। जैसे वह खड़े-खड़े अभी गिर जाएगी। सुरेंदर जी माटसाब ने कॉपी को उसके बैठने की जगह पर फेंकते हुए कहा, “बैठ अपनी जगह पर।”

7. तब साहिल की दशा क्या थी?

बेला के भयभीत चेहरे को देखकर साहिल बुरी तरह डर गया था।

8. साहिल ने क्या देखा?

बेला के पाँव काँप रहे हैं।

9. “बैठ अपनी जगह पर।” यह किसने किससे कहा?

सुरेंदर जी माटसाब ने कॉपी को उसके बैठने की जगह पर फेंकते हुए बेला से ऐसा कहा।

बेला का मन बहुत खराब हो गया, माटसाब चाहे मुझे पीट लेते मगर साहिल के सामने नहीं। वह साहिल के सामने खुद को शर्मिंदा महसूस कर रही थी, क्योंकि वह जानती थी कि वह साहिल की नज़र में बहुत अच्छी है। जब वह उसके पास आकर बैठी उससे नज़र नहीं मिला पाई।

10. बेला ने क्या सोचा?

बेला ने सोचा कि माटसाब चाहे मुझे पीट लेते मगर साहिल के सामने नहीं।

11. बेला किस बात पर ज़्यादा दुखी हो गई?

माटसाब ने साहिल के सामने से बेला के बालों में पंजा फंसाया।बेला का विचार था कि माटसाब चाहे मुझे पीट लेते मगर साहिल के सामने नहीं।

12. जब वह उसके पास आकर बैठी उससे नज़र नहीं मिला पाई। क्यों?

पहला कारण यह है कि यह घटना साहिल के सामने हुई थी। दूसरी बात यह थी कि साहिल की नज़र में बेला बहुत अच्छी लड़की है।

डायरी लिखते समय ध्यान देने की बातें।

- **स्थान**
- **तारीख।**
- **आत्मनिष्ठ एवं स्वाभाविक भाषा।**
- **डायरी की शैली।**
- **खास अनुभवओं का उल्लेख।**

13. बेला का मन बहुत खराब हो गया, माटसाब चाहे मुझे पीट लेते मगर साहिल के सामने नहीं। वह साहिल के सामने खुद को शर्मिंदा महसूस कर रही थी। - बेला के उस दिन की डायरी कल्पना करके लिखें।

सहायक बिंदु :

*** गणित के माटसाब सुरेंदर जी ने बेला पर क्रोध प्रकट किया।**

*** उसे डराया।**

*** साहिल भी सामने था।**

*** बेला ने कोई गलती नहीं की थी।**

*** वह भयभीत होकर काँप रही थी।**

*** बहुत शर्मिंदा महसूस कर रही थी।**

*** वह और अधिक लज्जित हो गई।**

*** वह साहिल से नज़र नहीं मिला पाई।**

18 नवंबर 1981 **बुधवार** **आज मेरे लिए दुख का दिन था। मैं साहिल के साथ कक्षा में बैठी थी। हम दोनों ने अपना कार्य पूरा किया था। मैंने कोई गलती नहीं की थी। पर न जाने क्यों मेरी किताब देखकर सुरेंदर जी माटसाब ने बहुत क्रोध प्रकट किया। मेरे पाँव काँप रहे थे। साहिल भी बहुत डर गया था। ये माटसाब क्यों इस तरह कर रहे हैं। मेरा मन बहुत खराब हो गया। माटसाब चाहे मुझे पीट लेते, मगर साहिल के सामने नहीं। यह बात मुझे और अधिक लज्जित बना दिया। मैं साहिल को कैसे फेस करूँ। उसके सामने खुद को शर्मिंदा महसूस कर रही हुँ।**

दीपावली की छुट्टियों के बाद जब स्कूल खुला तो बेला के सिर पर सफेद पट्टी बाँधी थी। कोई उसे “ हेए होए सफ़ेद पट्टी” कह रहा था तो कोई “ सुल्ताना डाकू” तो कोई कुछ और कहकर चिढ़ा रहा था।

14. दीपावली की छुट्टियों के बाद स्कूल आई तो बेला के सिर पर क्या बाँधी थी ?

बेला के सिर पर सफेद पट्टी बाँधी थी।

15. बच्चे बेला को क्यों चिढ़ा रहा थे ?

सिर पर सफेद पट्टी देखकर।

"ये क्या हो गया बेला" साहिल ने परेशान होते हुए पूछा।

छत से गिर गई बेला ने हँसते हुए कहा और कहा, "बहुत दिन हो गए, आज खेल घंटी में गांधी चौक में लंगड़ी टाँग खेलेंगे।"

16. साहिल ने परेशान होते हुए बेला से क्या पूछा ?

"ये क्या हो गया बेला"

17. उस वक्त बेला ने क्या जवाब दिया कैसे ?

छत से गिर गई। बेला ने हँसते हुए कहा।

नहीं खेलेंगे। तेरे सिर में फिर से लग जाएगी तो...?" "नहीं लगेगी" बेला ने ज़िद की। और वे हमेशा की तरह सारे बच्चों के साथ गांधी चौक की बालू में पूरी खेल घंटी लंगड़ी टाँग खेले। इन बच्चों को अपने चारों ओर खेलते देखकर गांधीजी की मूर्ति ऐसी दिखाई पड़ती जैसे और समय से कुछ अधिक मुस्करा रही हो।

18. बेला कहाँ जाकर खेलने केलिए ज़िद करती है ? कब ?

खेल घंटी में गांधी चौक जाकर लंगड़ी टाँग खेलने केलिए।

"इन बच्चों को अपने चारों ओर खेलते देखकर गांधी जी की मूर्ति ऐसी दिखाई पड़ती जैसे और समय से कुछ अधिक मुस्कुरा रही हो" इसका मतलब क्या है?

बच्चों की हँसी खुशी सभी पसंद करते हैं। यहाँ बच्चे खुशी से खेलते हैं, चारों ओर खुशी का वातावरण है। इसलिए ऐसा लगता है कि गांधीजी की मूर्ति भी मुस्कुराती है।

रविवार का दिन था। साहिल अपने घर में नीम के पेड़ की डाली पकडकर झूम रहा था।" वह एक स्टूल पर चढ़कर झूलता था। अचानक टूटे स्टूल की एक कील साहिल की पिंडली में लग गई। एक इंच गहरा गड्ढा हो गया।

19. साहिल की पिंडली में कील लग गई। कैसे ?

वह एक स्टूल पर चढ़कर झूलता था। अचानक टूटे स्टूल की एक कील साहिल की पिंडली में लग गई।

उसे सरकारी अस्पताल में पट्टी बंधवाने के लिए ले जाया गया। उसने देखा कि दो लोगों को छोड़कर आगे बेला खड़ी है। सिर में पट्टी बंधवाने आई है।

20. साहिल को कहाँ ले जाया गया ? क्यों ?

साहिल को पट्टी बंधवाने के लिए सरकारी अस्पताल में ले जाया गया।

21. वहां साहिल किससे मिला ?

वहां साहिल बेला से मिला।

22. बेला वहाँ क्यों आई थी ?

सिर में पट्टी बंधवाने आई थी।

स्कूल आते-जाते हुए और कक्षा में कई दिनों तक दो ऐसे बच्चे दिखाई देते रहे जिनमें से एक के सिर पर पट्टी बंधी होती और एक की पिंडली में। सफ़ेद पट्टी वाले ये दोनों कहीं पर भी साथ ही दिखाई देते।

23. “ का , के , की ” उचित प्रयोग समझें और तालिका की पूर्ति करें।

गोपाल के/का बेटा।	
गोपाल के/की बेटे।	
गोपाल के/की बेटियाँ।	
गोपाल की/का बेटी।	
गोपाल के/की बेटियाँ।	

“ का , के , की ” उचित प्रयोग समझें और तालिका की पूर्ति करें। (उत्तर)

गोपाल के/का बेटा।	गोपाल का बेटा।

गोपाल के/की बेटे।	**गोपाल के बेटे।**
गोपाल के/की बेटियाँ।	**गोपाल की बेटियाँ**
गोपाल की/का बेटी।	**गोपाल की बेटी।**
गोपाल के/की बेटियाँ।	**गोपाल की बेटियाँ।**

24. “ का , के , की ” उचित प्रयोग समझें और ठीक करके तालिका की पूर्ति करें।

बीरबहूटी <u>की</u> रंग।	
मूंगफ़लियों <u>का</u> हरे खेत।	
बारिश <u>का</u> हवा।	
पानी <u>के</u> बूंदें।	

“ का , के , की ” उचित प्रयोग समझें और ठीक करके तालिका की पूर्ति करें। (उत्तर)

बीरबहूटी <u>की</u> रंग।	**बीरबहूटी का रंग।**
मूंगफ़लियों <u>का</u> हरे खेत।	**मूंगफ़लियों के हरे खेत।**
बारिश <u>का</u> हवा।	**बारिश की हवा।**
पानी <u>के</u> बूंदें।	**पानी की बूंदें।**

25. “ का , के , की ” उचित प्रयोग समझें और तालिका की पूर्ति करें।

रामू <u>का/की</u> लड़का पढ़ता है।	
रामू <u>का/की</u> लड़की पढ़ती है।	
रामू <u>का/के</u> लड़के पढ़ते हैं ।	
रामू <u>के/की</u> लड़कियाँ पढ़ती हैं।	

“ का , के , की ” उचित प्रयोग समझें और तालिका की पूर्ति करें। (उत्तर)

रामू <u>का/की</u> लड़का पढ़ता है।	**रामू का लड़का पढ़ता है।**
रामू <u>का/की</u> लड़की पढ़ती है।	**रामू की लड़की पढ़ती है।**
रामू <u>का/के</u> लड़के पढ़ते हैं ।	**रामू के लड़के पढ़ते हैं ।**
रामू <u>के/की</u> लड़कियाँ पढ़ती हैं।	**रामू की लड़कियाँ पढ़ती हैं।**

Prepared by : MOHAMED ALI.K , MES HSS IRIMBILIYAM , PH: 9895361234